Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 12-05-2006

Participants : Darbar Shri Chhatarsingh

Title: Regarding alleged suicide by debt ridden farmers in different parts of the country.

श्री छत्तर सिंह दरबार (धार) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से देश के किसानों की दुर्दशा की ओर सरकार का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं। जिस तरह से देश के विभिन्न हिस्सों में कर्ज़ के बोझ से दबे

---

* Not Recorded.

किसानों की आत्महत्याओं के मामले प्रकाश में आ रहे हैं, उसमें यह सहज अनुमान लगाया जा सकता है

कि देश के किसानों की हालत कितनी खराब है तथा खेती लगातार उसके लिए घाटे का सौदा साबित हो रही है। 15 अप्रैल, 2006 को मुंबई से "द फ्री प्रैस जरनल" में प्रकाशित शीर्क की तरफ आपका ध्यान आकर्ति करना चाहूंगा कि मात्र आठ महीने में वहां चार सौ किसानों ने आत्महत्या की। कर्ज के बोझ से दबे चार सौ किसानों ने अपनी जीवन लीला को समाप्त कर दिया। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह एक बहुत ही शर्मनाक अध्याय है। पूरे देश का अन्न दाता किसान अपनी दयनीय दशा से परेशान होकर मौत को गले लगाता है। सिर्फ महाराट्र के विदर्भ में आत्महत्या करने वाले किसानों के बारे में ब्यौरा बता रहा हूं - यवतमल में 108, अमरावती में 91, वाशिम में 40, अकोला में 34, वर्घा में 29 तथा नागपुर में 22 किसानों ने आत्महत्याएं की हैं तथा यही हाल देश के अन्य राज्यों का भी है।

महोदय, मैं भी स्वयं किसान हूं। अभी प्राईवेट मेम्बर बिल में इस संबंध में काफी चर्चा हो चुकी है। मेरी जानकारी में आया कि इन लोगों ने आत्महत्या की, लेकिन फिर भी मेरे क्षेत्र में, मेरे प्रदेश में और मेरे एरिये में भी ऐसी स्थिति कई किसानों की है। मैं भी किसान हूं और यही मेरी रोजी-रोटी है, इसलिए मैं इनकी पीढ़ा को समझता हूं। देश की हरित क्रांति के जनक कहे जाने वाले पंजाब राज्य के किसानों की हालत का उल्लेख करना मैं जरूरी समझता हूं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Farmers are committing suicide in many States. It is not only so in your State.

श्री छत्तर सिंह दरबार : बैसाखी अब फसल का उत्सव मनाने का त्यौहार नहीं रहा, क्योंकि पंजाब का प्रत्येक किसान कर्जदार है तथा हर किसान के ऊपर 45000 रुपए का कर्ज है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You may place your papers on the Table, if you want.

श्री छत्तर सिंह दरबार : महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस तरफ आकर्ति करना चाहूंगा कि जो कर्ज में दबे किसान हैं, उनका कर्ज माफ किया जाए और आगे उन्हें कम ब्याज पर कृषि के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाए तथा ऐसी योजनाएं बनाई जाएं कि लाभ की खेती हो सके, यही मैं आपसे निवेदन करता हूं। धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: Now, Dr. Karan Singh Yadav may please make a brief submission. He is the last Member to make the Special Mention today.